निवेश-अनुकूल नीतियों और सुदृढ़ कनेक्टिविटी से ग्लोबल हब बना यूपी; 'टाईकान 2026' में दिखा उद्यमिता का दम

लखनऊ, 28 फरवरी: उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश और स्टार्टअप का प्रमुख केंद्र बनाने के संकल्प के साथ, आज औद्योगिक नगरी **कानपुर** में आयोजित **'टाईकान (TiECon) यूपी 2026'** में प्रदेश की उद्यमशीलता शक्ति का प्रदर्शन हुआ। इस प्रतिष्ठित मंच पर नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के दिग्गजों, शिक्षाविदों और स्टार्टअप संस्थापकों ने एक मंच पर एकत्रित होकर राज्य के विकास के अगले चरण की रूपरेखा साझा की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, उद्योग-अकादमिक सहयोग को सुदृढ़ करना और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना था, जो उत्तर प्रदेश को भारत के पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कानपुर के मंडलायुक्त श्री के. विजयेंद्र पांडियन ने उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य निवेश अनुकूल नीतियों के माध्यम से व्यावसायिक वातावरण तैयार कर रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप उद्यमियों को आकर्षक सब्सिडी, स्टार्टअप फंडिंग और बिना गारंटी ऋण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं, कानपुर और प्रदेश पुनः एक प्रमुख औद्योगिक और उद्यमिता केंद्र के रूप में उभर रहा है।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण "यूपी में बदलाव की बयार (Winds of Change in UP) सत्र रहा, जिसका संचालन डॉ. प्रदीप गुप्ता ने किया। इस सत्र में आईईआईटी कानपुर के निदेशक, प्रो.मनींद्र अग्रवाल और **इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री विजय किरण आनंद** ने अपने विचार साझा किए।

श्री विजय किरण आनंद ने बताया कि उत्तर प्रदेश का मजबूत बुनियादी ढांचा व कनेक्टिविटी वैश्विक निवेश के लिए एक ठोस आधार बन चुकी है। वर्तमान में, राज्य देश के 55% से अधिक एक्सप्रेसवे नेटवर्क का नेतृत्व कर रहा है, साथ ही 27 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर्स (IMLCs) और 75,000 एकड़ से अधिक औद्योगिक लैंड बैंक भी उपलब्ध है। प्रदेश की निर्बाध कनेक्टिविटी का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि जेवर स्थित आगामी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट सहित 5 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों व 16 घरेलू हवाई अड्डों का नेटवर्क, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और अंतर्देशीय जलमार्ग राज्य की आपूर्ति श्रृंखला को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, आगामी 'निवेश मित्र 3.0' जैसे अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रक्रियाओं का सरलीकरण और 'फेसलेस' इंटरफेस सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे स्वीकृतियों में अभूतपूर्व तेजी आएगी।

वैश्विक साझेदारी और भविष्य की राह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश **$1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था** के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। सम्मेलन में यह भी चर्चा हुई कि किस प्रकार जापान और सिंगापुर जैसे देशों के साथ वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से अत्याधुनिक तकनीकें प्रदेश में लाई जा रही हैं।

सम्मेलन में "ज़ीरो टू यूनिकॉर्न," "हेल्थ-टेक एवं बायोटेक," "डिफेंस एवं स्पेस में डीप टेक" तथा "एआई के युग में शिक्षा" जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन मंथन हुआ। इस कार्यक्रम में **IIT कानपुर** के निदेशक **प्रो. मनींद्र अग्रवाल**, **मोग्लिक्स** के अनिमेष श्रीवास्तव और **बालाजी वेफर्स** के संस्थापक चंदू भाई विरानी जैसे प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति ने उत्तर प्रदेश के बढ़ते औद्योगिक कद को प्रमाणित किया।